व्यापार की योजना

आय सृजन गतिविधि – वर्मी-कम्पोस्ट

जय लक्ष्मी नारायण – स्वयं सहायता समूह

एसएचजी/सीआईजी नाम	: :	जय लक्ष्मी नारायण
वीएफडीएस नाम	: :	किन्नू
वन परिक्षेत्र	: :	सराहन
वन मंडल	: :	रामपुर

इसके तहत तैयार:

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना

(जायका सहायता प्राप्त)

विषयसूची

क्रम सं.	विवरण	पृष्ठ
1	पृष्ठभूमि	3
2	एसएचजी/सीआईजी का विवरण	4
3	लाभार्थियों का विवरण	5-6
4	गांव का भौगोलिक विवरण	7
5	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	7
6	**उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण**	8-9
7	उत्पादन योजना **का विवरण**	9
8	बिक्री और विपणन	9
9	स्वोट अनालिसिस	10
10	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	11
11	अर्थशास्त्र का विवरण	11-12
12	आर्थिक विश्लेषण का निष्कर्ष	13
13	निधि की आवश्यकता	13
14	निधि के स्रोत	14
15	बैंक ऋण चुकौती	14
16	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	14
17	निगरानी विधि	15
18	समूह सदस्य फ़ोटो	15-16
19	ग्राम वन विकास समिति का प्रस्ताव	17
20	स्वयं सहायता समूह का प्रस्ताव	18

1. पृष्ठभूमि

सरल उत्पादन तकनीक, पारिस्थितिकी, आर्थिक और मानव स्वास्थ्य से जुड़े लाभों के कारण वर्मीकंपोस्टिंग देश में मजबूती से पैर जमा रही है। उद्यमियों द्वारा सरकारी सहायता/गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के तकनीकी मार्गदर्शन में, विशेष रूप से देश के दक्षिणी और मध्य भागों में, बड़ी संख्या में वर्मीकंपोस्टिंग इकाइयाँ स्थापित की गई हैं।

वर्मीकंपोस्टिंग के प्रत्यक्ष पर्यावरणीय और आर्थिक लाभ हैं क्योंकि यह स्थायी कृषि उत्पादन और किसानों की आय में महत्वपूर्ण योगदान देता है। कई गैर सरकारी संगठन, समुदाय आधारित संगठन (सीबीओ), स्वयं सहायता समूह (एसएचजी), ट्रस्ट आदि हैं जो इसके स्थापित आर्थिक और पर्यावरणीय लाभों के कारण वर्मीकंपोस्टिंग तकनीक को बढ़ावा देने के लिए ठोस प्रयास कर रहे हैं।

वर्मीकम्पोस्ट खाद

केंचुओं के पालन/ उपयोग के माध्यम से खाद का उत्पादन वर्मीकम्पोस्टिंग तकनीक कहलाता है। इस तकनीक के तहत केंचुए बायोमास खाते हैं और इसे पचाकर बाहर निकाल देते हैं जिसे वर्मी कम्पोस्टिंग या वर्मी कम्पोस्ट कहते हैं। यह छोटे और बड़े दोनों तरह के किसानों के लिए खाद बनाने की सबसे सरल और लागत प्रभावी विधियों में से एक है। वर्मीकम्पोस्ट उत्पादन इकाई किसी भी ऐसी भूमि पर स्थापित की जा सकती है जिसका कोई आर्थिक उपयोग न हो लेकिन छायादार और पानी के ठहराव से मुक्त हो। साइट जल संसाधन के नज़दीक भी होनी चाहिए

वर्मीकम्पोस्टिंग के प्रत्यक्ष पर्यावरणीय और आर्थिक लाभ हैं क्योंकि यह टिकाऊ कृषि उत्पादन और किसानों की आय में महत्वपूर्ण योगदान देता है। रामपुर वन मंडल के अंतर्गत सराहन रेंज के वीएफडीएस किन्नू के जय लक्ष्मी नारायण स्वयं सहायता समूह ने सब्जी उगाने वाले क्षेत्र के रूप में अपनी पहचान के कारण, एचपी जेआईसीए वानिकी परियोजना के तहत वर्मीकम्पोस्टिंग को एक व्यावसायिक गतिविधि के रूप में अपनाने पर सहमति व्यक्त की है।

वर्मीकंपोस्टिंग, जिसे सही मायने में "कचरे से सोना" कहा जाता है, जैविक कृषि उत्पादन में प्रमुख इनपुट है। सरल तकनीक के कारण, कई किसान वर्मीकंपोस्टिंग उत्पादन में लगे हुए हैं क्योंकि यह मिट्टी के स्वास्थ्य, मिट्टी की उत्पादकता को बढ़ाता है जिससे खेती की लागत कम हो जाती है।

पोषक तत्वों की उच्च मात्रा के कारण वर्मी कम्पोस्ट की मांग में धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है।

2. एसएचजी/ सीआईजी का विवरण

एसएचजी/सीआईजी नाम	::	जय लक्ष्मी नारायण
वीएफडीएस	::	किन्नू
वन परिक्षेत्र	::	सराहन
वन मंडल	::	रामपुर
गाँव	::	किन्नू
ब्लॉक	::	रामपुर
ज़िला	::	शिमला
एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	16 (पुरुष- 7, महिलाएं- 9)
गठन की तिथि	::	मार्च, 2021
बैंक खाता सं.	::	
बैंक विवरण	::	हि०प्र० स्टेट कोआपरेटिव बैंक, सराहन
एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	::	100 रुपये प्रति सदस्य
कुल बचत		
कुल अंतर-ऋण		
नकद क्रेडिट सीमा		
पुनर्भुगतान स्थिति		

3. लाभार्थियों का विवरण:

क्रम.	नाम श्रीमती/कुमारी	पिता/ पति का नाम	आयु	वर्ग	आय स्रोत	पता
1	शिशु पाल	बृजु राम	45	समान्य	कृषि	गांव - किन्नू पी.ओ. - किन्नू तहसील - रामपुर जिला - शिमला (एच.पी.)
2	सुमित्रा देवी	देस राज	40	एस सी	कृषि	गांव - किन्नू पी.ओ. - किन्नू तहसील - रामपुर जिला - शिमला (एच.पी.)
3	हेम लता	सुनील कुमार	34	सामान्य	कृषि	गांव - किन्नू पी.ओ. - किन्नू तहसील - रामपुर जिला - शिमला (एच.पी.)
4	कृष्णा देवी	बलबीर सिंह	35	सामान्य	कृषि	गांव - किन्नू पी.ओ. - किन्नू तहसील - रामपुर जिला - शिमला (एच.पी.)
5	कलम सिंह	तुला राम	38	एस सी	कृषि	गांव - किन्नू पी.ओ. - किन्नू तहसील - रामपुर जिला - शिमला (एच.पी.)
6	मीरा देवी	जगदीश कुमार	38	एस सी	कृषि	गांव - किन्नू पी.ओ. - किन्नू तहसील - रामपुर जिला - शिमला (एच.पी.)
7	रतन दास	भेटी राम	50	एस सी	कृषि	गांव - किन्नू पी.ओ. - किन्नू तहसील - रामपुर जिला - शिमला (एच.पी.)
8	सेवा दासी	ब्रेस्तु राम	45	एस सी	कृषि	गांव - किन्नू पी.ओ. - किन्नू तहसील - रामपुर जिला - शिमला

						(एच.पी.)
9	जीवनु राम	त्वारकू राम	40	एस सी	कृषि	गांव - किन्नू पी.ओ. - किन्नू तहसील - रामपुर जिला - शिमला (एच.पी.)
10	ठाकुर मणि	दलीप कुमार	42	सामान्य	कृषि	गांव - किन्नू पी.ओ. - किन्नू तहसील - रामपुर जिला - शिमला (एच.पी.)
11	राज पाल बरोगी	जय सिंह बरोगी	35	सामान्य	कृषि	गांव - किन्नू पी.ओ. - किन्नू तहसील - रामपुर जिला - शिमला (एच.पी.)
12	स्नेह लता मेहता	राज बीर मेहता	38	सामान्य	कृषि	गांव - किन्नू पी.ओ. - किन्नू तहसील - रामपुर जिला - शिमला (एच.पी.)
13	बाण दासी	रूप सिंह खाची	55	सामान्य	कृषि	गांव - किन्नू पी.ओ. - किन्नू तहसील - रामपुर जिला - शिमला (एच.पी.)
14	पुरषोत्तम ठाकुर	धाडू राम	45	सामान्य	कृषि	गांव - किन्नू पी.ओ. - किन्नू तहसील - रामपुर जिला - शिमला (एच.पी.)
15	विद्या देवी	मंगल सेन	40	सामान्य	कृषि	गांव - किन्नू पी.ओ. - किन्नू तहसील - रामपुर जिला - शिमला (एच.पी.)
16	श्रीकांत खाची	प्रेम चंद	40	सामान्य	कृषि	गांव - किन्नू पी.ओ. - किन्नू तहसील - रामपुर जिला - शिमला (एच.पी.)

4. गांव का भौगोलिक विवरण

3.1	जिला मुख्यालय से दूरी	::	180 कि०मी०
3.2	मुख्य सड़क से दूरी	::	4 कि०मी०
3.3	स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	::	सराहन,12 कि०मी०
3.4	मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी		रामपुर, 50 कि०मी०
3.5	मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी		रामपुर, 50 कि०मी०
3.6	मुख्य शहरों का नाम जहां उत्पाद बेचा /विपणन किया जाएगा	::	हिमाचल प्रदेश वन विभाग एवं किन्नू, ज्यूरी, रामपुर,

5.आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

4.1	उत्पाद का नाम	::	वर्मी-कम्पोस्ट खाद
4.2	उत्पाद पहचान की विधि	::	यह विधि समूह के सदस्यों द्वारा सामूहिक रूप से तय की गई है।
4.3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	::	हाँ

6. उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण

कदम		विवरण
चरण-1	: :	खाद तैयार करने के लिए प्लास्टिक या कंक्रीट टैंक/गड्ढे का उपयोग किया जाता है । टैंक/गड्ढे का आकार कच्चे माल की क्षमता पर निर्भर करता है, हालांकि, मानक के रूप में आकार 10x4x2 फीट रखा जा रहा है
चरण-2	: :	टैंक/गड्ढे के तल पर सीमेंट, कंक्रीट की एक परत (2-3 इंच) डालें
चरण-3	: :	बायोमास को इकट्ठा करें और इसे लगभग 8-12 दिनों के लिए धूप में रखें।अब इसे कटर की मदद से मनचाहे आकार में काट लें
चरण-4	: :	शीघ्र सड़न के लिए गोबर का घोल बनाकर ढेर पर छिड़कें
चरण-5	: :	अब आंशिक रूप से विघटित गाय के गोबर, सूखे पत्ते और खेतों और रसोई से एकत्र किए गए अन्य बायोडिग्रेडेबल कचरे को मिलाकर बढ़िया बिस्तर तैयार करें। उन्हें कंक्रीट परत पर समान रूप से वितरित करें
चरण-6		कटा हुआ जैव अपशिष्ट और आंशिक रूप से विघटित गाय का गोबर दोनों को परतवार टैंक/गड्ढे में 0.5 - 1 फीट की गहराई तक डालना जारी रखें।
चरण-7		सभी जैव अपशिष्टों को डालने के बाद, केंचुओं की प्रजातियों को मिश्रण के ऊपर छोड़ दें और खाद मिश्रण को सूखे भूसे या बोरे से ढक दें।
चरण-8		खाद में नमी की मात्रा बनाए रखने के लिए नियमित रूप से पानी का छिड़काव करें
चरण-9		चींटियों, छिपकलियों, चूहों, सांपों आदि के प्रवेश को रोकने के लिए टैंक/गड्ढे को छप्पर की छत से ढकें और खाद को बारिश के पानी और सीधी धूप से बचाएं।
चरण-10		खाद को अधिक खाने से बचाने के लिए बार-बार जांच कराते रहें। उचित नमी और तापमान बनाए रखें

कदम		विवरण

7.उत्पादन योजना का विवरण

7.1	उत्पादन चक्र (दिनों में)	::	90 दिन (एक वर्ष में तीन चक्र)
7.2	प्रति चक्र आवश्यक जनशक्ति (संख्या)	::	1
7.3	कच्चे माल का स्रोत	::	घर से और अपने खेतों से
7.4	अन्य संसाधनों का स्रोत	::	खुला बाज़ार
7.5	कच्चा माल - प्रति चक्र आवश्यक मात्रा (कि०ग्रा०) प्रति सदस्य	::	1800 किलोग्राम प्रति चक्र
7.6	प्रति चक्र अपेक्षित उत्पादन (कि०ग्रा०) प्रति सदस्य	::	900 किलोग्राम प्रति चक्र

8. विपणन/बिक्री का विवरण

8.1	संभावित बाज़ार स्थान	::	हिमाचल प्रदेश वन विभाग. स्थानीय बाजार , खुद के खेत
8.2	इकाई से दूरी	::	0.5 कि०मी०
8.3	बाज़ार/स्थानों में उत्पाद की मांग	::	वन विभाग अपनी नर्सरी के लिए बड़ी मात्रा में वर्मी-कम्पोस्ट खरीद रहा है
8.4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	::	पीएमयू हिमाचल प्रदेश वन विभाग द्वारा स्वयं सहायता समूहों द्वारा उत्पादित वर्मी-कम्पोस्ट की खरीद में सहायता करेगा।
8.5	उत्पाद की विपणन रणनीति		भविष्य में बेहतर बिक्री मूल्य के लिए स्वयं सहायता समूह के सदस्य अपने गांवों के आसपास अतिरिक्त विपणन विकल्पों की भी खोज करेंगे।
8.6	उत्पाद ब्रांडिंग		सीआईजी/एसएचजी स्तर पर उत्पाद का विपणन संबंधित सीआईजी/एसएचजी की ब्रांडिंग द्वारा किया जाएगा। बाद में इस आईजीए को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है
8.7	उत्पाद "नारा"		"प्रकृति के अनुकूल"

9. स्वोट अनालिसिस

❖ ताकत

- कुछ एसएचजी सदस्यों द्वारा पहले से ही गतिविधि की जा रही है
- प्रत्येक स्वयं सहायता समूह के सदस्य के पास प्रत्येक घर में 2 से 8 मवेशी हैं
- स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के परिवार उच्च मूल्य वाली फसलों और सब्जियों की खेती कर रहे हैं, जिससे उन्हें पूरे वर्ष कच्चे माल यानी कृषि जैविक अपशिष्ट की पर्याप्त उपलब्धता मिलती है।
- उनके खेतों पर कच्चा माल आसानी से उपलब्ध है
- विनिर्माण प्रक्रिया सरल है
- उचित पैकिंग और परिवहन में आसानी
- परिवार के अन्य सदस्य भी लाभार्थियों का सहयोग करेंगे
- उत्पाद का स्वयं-जीवन लंबा है

❖ कमजोरी

- विनिर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
- तकनीकी जानकारी का अभाव

❖ अवसर

- जैविक और प्राकृतिक खेती के प्रति किसानों में जागरूकता के कारण वर्मी कम्पोस्ट की मांग बढ़ रही है
- अपने खेत में वर्मी-कम्पोस्ट का प्रयोग करने से मृदा स्वास्थ्य में सुधार होगा तथा गुणवत्तापूर्ण कृषि उपज का उत्पादन बढ़ेगा, जिससे बेहतर मूल्य मिलेगा।
- रसोई से निकलने वाले घरेलू कचरे सहित जैविक कचरे का सर्वोत्तम उपयोग
- एचपी फॉरेस्ट के साथ विपणन गठजोड़ की संभावना

❖ खतरे / जोखिम

- अत्यधिक मौसम के कारण उत्पादन चक्र टूटने की संभावना
- प्रतिस्पर्धी बाजार
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण एवं कौशल उन्नयन में भागीदारी के प्रति लाभार्थियों में प्रतिबद्धता का स्तर

10. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

➔ **उत्पादन** – कच्चे माल की खरीद सहित इसका ध्यान व्यक्तिगत सदस्यों द्वारा रखा जाएगा

➔ **गुणवत्ता आश्वासन** – सामूहिक रूप से

➔ **सफाई और पैकेजिंग** – सामूहिक रूप से

➔ **विपणन** – सामूहिक रूप से

➔ **इकाई की निगरानी** – सामूहिक रूप से

11. अर्थशास्त्र का विवरण

क्र. सं.	विवरण	इकाइ	मात्रा/संख्या	लागत (रु.)	वर्ष 1	वर्ष 2	वर्ष 3	वर्ष 4	वर्ष 5
क	**पूंजीगत लागत**								
क.1.	**गड्ढे और शेड का निर्माण**								
1	शेड सहित निर्माण एवं श्रम लागत (आकार 10 फीट X 4 फीट X 2 फीट होगा)	प्रति सदस्य	16	6000	96000	0	0	0	0
2	लोहे के एंगल से कवर शेड का निर्माण	प्रति सदस्य	16	4000	64000				
	उप-योग (क .1)				**160000**	**0**	**0**	**0**	**0**
क.2.	**यंत्रावली और उपकरण**								
3	औज़ार, उपकरण, तराजू आदि।	प्रति सदस्य	16	2000	32000	0	0	0	0
	उप-योग (क .2)				**32000**	**0**	**0**	**0**	**0**
	कुल पूंजीगत लागत (क .1+ क .2)				**192000**	**0**	**0**	**0**	**0**
ख.	**आवर्ती लागत**								
4	बीज केंचुआ	प्रति किलोग्राम	16	500	8000	0	0	0	0
5	घोल/गोबर/अपशिष्ट की खरीद की लागत	टन	0	0	0	0	0	0	0
6	श्रम लागत	प्रति टन	0	0	0	0	0	0	0
7	पैकिंग सामग्री	संख्या	160	50	8000	8500	9000	9500	10000
8	अन्य हैंडलिंग शुल्क	प्रति टन	50	150	7500	8000	8500	9000	9500
ग.	**अन्य शुल्क**								
9	बीमा	एल/एस			0	0	0	0	0
10	ऋण पर ब्याज	प्रतिवर्ष		0	0	0	0	0	0

	कुल आवर्ती लागत				**23500**	**16500**	**17500**	**18500**	**19500**
	कुल लागत - पूंजी और आवर्ती				**215500**	**16500**	**17500**	**17500**	**18500**
घ.	**वर्मीकम्पोस्टिंग से आय**								
11	**वर्मीकम्पोस्ट की बिक्री**	टन	43	**6000**	**258000 (6000)**	**281500 (6500)**	**305000 (7000)**	**328500 (7500)**	**352000 (8000)**
12	**केंचुओं की बिक्री**					**5000**	**10000**	**10000**	**10000**
13	**कुल मुनाफा**				**258000**	**286500**	**315000**	**338500**	**362000**
14	शुद्ध रिटर्न (घ– ग)				42500	270000	297500	320000	342500

नोट – चूंकि श्रम कार्य स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा किया जाएगा और उनके स्थान पर पहले से ही स्लरी/गोबर/अपशिष्ट उपलब्ध है और इन सामग्रियों की खरीद उनके द्वारा नहीं की जाएगी, इसलिए आवर्ती लागत (श्रम लागत, स्लरी/गोबर/अपशिष्ट की खरीद की लागत) को कुल आवर्ती लागत से घटाया जा सकता है।

आर्थिक विश्लेषण

विवरण	**वर्ष 1**	**वर्ष 2**	**वर्ष 3**	**वर्ष 4**	**वर्ष 5**
पूंजीगत लागत	**192000**	**0**	**0**	**0**	**0**
आवर्ती लागत	23500	16500	17500	18500	19500
कुल लागत	215500	16500	17500	18500	19500
कुल लाभ	258000	286500	315000	338500	362000
शुद्ध लाभ	**42500**	**270000**	**297500**	**320000**	**342500**

शुद्ध लाभ का वितरण – उत्पादन में हिस्सेदारी के अनुसार।

12. आर्थिक विश्लेषण के निष्कर्ष

- प्रत्येक सदस्य के लिए गड्ढे का आकार 10X4X2 फीट निर्धारित किया गया है।
- वर्मी कम्पोस्ट के उत्पादन की लागत 3.2 रुपये प्रति किलोग्राम आती है
- वर्मी-कम्पोस्ट (संरक्षित पक्ष) की बिक्री 6 रुपये प्रति किलोग्राम है
- शुद्ध लाभ 6 - 3.2 = 2.8 रुपये प्रति किलोग्राम होगा
- यह प्रस्तावित है कि प्रत्येक सदस्य प्रति वर्ष 2.7 टन वर्मी-कम्पोस्ट का उत्पादन करेगा, जिसके परिणामस्वरूप एक वर्ष में स्वयं सहायता समूह के सभी 16 सदस्यों द्वारा 43.2 टन वर्मी-कम्पोस्ट का उत्पादन होगा।
- केंचुए की कीमत 500.00 रुपये प्रति किलोग्राम रखी गई है
- दूसरे वर्ष के बाद, बिक्री के लिए केंचुओं की अधिकता होगी (क्योंकि वर्मीकम्पोस्ट के उत्पादन की प्रक्रिया के दौरान यह कई गुना बढ़ जाएगा)
- वर्मी-कम्पोस्ट बनाना एक लाभदायक **आय सृजन गतिविधि** है और इसे स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा अपनाया जा सकता है।
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण और कौशल उन्नयन में भागीदारी के प्रति लाभार्थियों के बीच प्रतिबद्धता का स्तर

13. निधि की आवश्यकता:

क्रम सं.	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना समर्थन	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	192000	96000	96000
2	कुल आवर्ती लागत	23500	0	23500
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	50000	50000	0
	कुल =	**265500**	**146000**	**119500**

टिप्पणी-

- **पूंजीगत लागत** - परियोजना के अंतर्गत पूंजीगत लागत का 50% कवर किया जाएगा
- **आवर्ती लागत** - एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन की जाएगी।
- **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन** - परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

14. निधि के स्रोत:

परियोजना समर्थन;	• पूंजीगत लागत का 50% गड्ढे के निर्माण के लिए उपयोग किया जाएगा (आकार 10 फीट X 4 फीट X 2 फीट होगा) • **रु. रिवॉल्विंग फंड के रूप में 1 लाख रुपये एसएचजी बैंक खाते में जमा किए जाएंगे** • प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	गड्ढे के निर्माण/गड्ढे के लिए सामग्री की खरीद सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा की जाएगी।
एसएचजी योगदान	• पूंजीगत लागत का 50% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा, इसमें शेड/ गड्ढे निर्माण की लागत शामिल है। • आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी	

15. बैंक ऋण चुकौती

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए कोई पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; तथापि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद सीसीएल के माध्यम से प्राप्त की जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूल ऋण का भुगतान वर्ष में एक बार बैंकों को किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, पुनर्भुगतान बैंकों में निर्धारित पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।

16. प्रशिक्षण/ क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन की लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- परियोजना अभिविन्यास समूह गठन/पुनर्गठन
- समूह अवधारणा और प्रबंधन
- आय सृजन गतिविधि का परिचय (सामान्य)
- विपणन और व्यवसाय योजना विकास
- बैंक ऋण लिंकेज एवं उद्यम विकास
- एसएचजी/सीआईजी का एक्सपोजर दौरा – राज्य के भीतर और राज्य के बाहर

17. निगरानी तंत्र

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और निष्पादन की निगरानी करेगी तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन **सुनिश्चित** करने के लिए आवश्यकता पड़ने पर **सुधारात्मक** कार्रवाई का सुझाव देगी।
- स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य की आईजीए की प्रगति और **निष्पादन** की भी समीक्षा करनी चाहिए तथा **यदि** आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए ताकि इकाई का संचालन अनुमान के अनुसार सुनिश्चित हो सके।

समूह सदस्यों की तस्वीरें –

बन दासी (सदस्य)

ठाकुर मणि (सदस्य)

जिवनु राम (सदस्य)

शिशुपाल (अध्यक्ष)

मीरा देवी (सदस्य)

कलम सिंह (सदस्य)

हेमलता(सचिव)

सेवा दासी (सदस्य)

रतन दास (सदस्य)

कृष्णा देवी (कोषाध्यक्ष)

Business Plan Approval by VFDS & DMU

JAI LUXMI NARAYAN .....Self Help Group will undertake the ..VERMICOMPOSTING

As Livelihood generation Activity under the Project for improvement of Himachal Pradesh forest ecosystems & Management & livelihood (JICA Assisted). In this regard Business Plan of Amount (Rs.).....has been submitted by this group on dated .....and this business plan has been approved by ..KINNOO.. VFDS.

Business Plan with SHG resolution is being submitted to DMU through FTU for further action, please.

Thank you.

प्रधान
ग्राम वन विकास समिति
किन्नू 6/20, जिला शिमला हि०प्र०

Signature of VFDS Pradhan

सचिव
ग्राम वन विकास समिति
किन्नू 6/20, जिला शिमला हि०प्र०

Signature of VFDS Secretary

Resolution-cum-Group Consensus Form

It is decided in the Genera House meeting of the Self Help Group ...JAI LUXMI NARAYAN. held on ~~March~~, 2022 at FRH, NOGLI..........that our Self Help Group will undertake the .....VERMICOMPOSTING............as Livelihood Income Generation under the Project for improvement of Himachal Pradesh.

Forest Ecosystem Management & Livelihoods. (JICA Assited).

President Jai Laxmi Narayan S.H.G. Kinnu (G.P. Kinnu)
Signature of Group Pradhan.

Secretary Jai Laxmi Narayan S.H.G. Kinnu (G.P. Kinnu)
Signature of Group Secretary